नम आंखों से वीर सपूत मेजर हमजा आरिफ विदा

- महू में सेना ने दी अंतिम सलामी, सैफी मस्जिद में हुई नमाज-ए-जनाजा
- इमली बाजार कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक

नव भारत न्यूज

इंदौर. देश की हिफाजत करते हुए शहीद हुए इंदौर के वीर सपूत मेजर हमजा आरिफ को रविवार को हजारों नम आंखों ने अंतिम विदाई दी. राजस्थान के जैसलमेर में सड़क हादसे में शहीद हुए मेजर हमजा आरिफ का पार्थिव शरीर सुबह इंदौर पहुंचा. सबसे पहले महू सैन्य छावनी में सेना के अधिकारियों और जवानों ने उन्हें सैन्य सम्मान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की. इसके बाद सैफी नगर स्थित सैफी मस्जिद में नमाज-ए-जनाजा अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. इमली बाजार कब्रिस्तान में भारतीय सेना ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर उन्हें पूरे एहतराम के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया.

देश की सरहदों की हिफाजत में तैनात मेजर हमजा आरिफ की शहादत की खबर से पूरा इंदौर गमगीन रहा. रविवार सुबह सेना के विशेष वाहन से उनका पार्थिव शरीर शहर लाया गया. सबसे पहले उन्हें महू सैन्य छावनी ले जाया गया, जहां सेना के जवानों ने अपने साथी अधिकारी को अंतिम सलामी दी. इसके बाद पार्थिव शरीर को सैफी नगर स्थित सैफी मस्जिद लाया गया. सुबह 9 बजे नमाज-ए-जनाजा अदा की गई. इस दौरान जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, समाजजन और बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे. हर आंख नम थी और लोग अपने जांबाज बेटे को आखिरी सलाम पेश कर रहे थे. फूलों से सजे सेना के विशेष वाहन में मेजर हमजा आरिफ की अंतिम यात्रा निकाली गई. सैफी नगर से शुरू हुई यह यात्रा माणिकबाग पुल, कलेक्टर चौराहा और ऐतिहासिक राजबाड़ा होते हुए इमली बाजार कब्रिस्तान पहुंची. रास्तेभर लोगों ने पुष्प अर्पित कर और भारत माता के जयकारों के साथ अपने वीर सपूत को श्रद्धांजलि दी. कब्रिस्तान में भारतीय सेना के जवानों ने मातमी धुन के बीच गार्ड ऑफ ऑनर दिया. इसके बाद पूरे सैन्य और धार्मिक सम्मान के साथ मेजर हमजा आरिफ को सुपुर्द-ए-खाक किया गया. इमली बाजार कब्रिस्तान में पूरे सैन्य और धार्मिक सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक की रस्म अदा की गई. इस दौरान समाजजनों, सेना के जवानों, जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों, समाजसेवियों और मेजर हमजा आरिफ के इष्ट मित्रों ने पहुंचकर उन्हें अंतिम सलाम पेश किया.

हमेशा से रहा देश सेवा का जज्बा...

हमजा हमेशा देश के लिए कुछ करने का जज्बा रखते थे. उनका जाना हमारे लिए अपूरणीय क्षति है. उनकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी.

- मज़हर हुसैन सेठजी वाला, बोहरा समाज

जन्नत में आला मुकाम अता फरमाए...

मेजर हमजा आरिफ ने देश की सेवा करते हुए अपनी जान कुर्बान की है. उनकी शहादत पूरे शहर के लिए गर्व की बात है. अल्लाह उन्हें जन्नत में आला मुकाम अता फरमाए. - शहर काजी इंदौर डॉ. इशरत अली

कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित अधिकारी थे...

मेजर हमजा आरिफ कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित अधिकारी थे. उनकी शहादत को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा.

- आरआर कैंट अधिकारी, सत्यनारायण जाट

कृषि कॉलेज में 15 हजार पौधे लगाए

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नगर निगम का आयोजन

नव भारत न्यूज

इंदौर. रविवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान में नगर निगम ने कृषि महाविद्यालय में 15 हजार पौधे लगाए. इस दौरान महाविद्यालय परिसर में दो हजार फलदार और शेष मालवा की मिट्टी के अनुकूल पौधों का रोपण किया गया. नगर निगम द्वारा इस साल 21 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है. उसी के तहत शहर में अलग-अलग जगहों पर पौधे लगाए जा रहे हैं.

रविवार को नगर निगम द्वारा शहर के पूर्वी क्षेत्र में स्थित कृषि कॉलेज में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसके तहत कॉलेज परिसर में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में 15 हजार से ज्यादा पौधे लगाए गए. गौरतलब है शहर में हरीत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए जलवायु अनुकुल करीब 5 से लेकर 10 फीट तक के पौधों का रोपण शहर के विभिन्न हिस्सों में किया जा रहा है. पौधारोपण अभियान के तहत कृषि महाविद्यालय में 2 हजार फलदार पौधों का और शेष मालवा की मिट्टी के अनुकूल पौधों का रोपण किया गया. पौधारोपण कार्यक्रम में भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, जनकार्य प्रभारी राजेंद्र राठौर, कॉलेज डीन डॉ. भारत सिंह,पार्षद लक्ष्मी अनिल गौहर, पार्षद राजीव जैन सहित बड़ी संख्या में आम लोगों ने पौधारोपण किया.

देश को कृषि वैज्ञानिकों की भी जरूरत: विजयवर्गीय

इस मौके पर मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि श्राफ सर से चर्चा करने के लिए आता था. उस समय भी पहला चैलेंज यह था कि जनसंख्या बढ़ रही है और खेती की जमीन कम हो रही है. हमें कम जमीन में ज्यादा उत्पादन करना चाहिए. दूसरा चैलेंज यह कि रसायनों से खेती हो रही है, जो हमारे स्वास्थ के लिए हानिकारक है. दूसरा जैविक खेती को बढ़ावा देना होगा. यह बात सही है आर्गेनिक खेती का उत्पादन कम होता है, लेकिन उसके प्रोडक्ट के दाम भी ज्यादा मिलते हैं. पहले आदिवासी इलाकों में आदिवासी लोग बीमार नहीं होते थे. वहां हॉस्पीटल भी नहीं थे. आर्गेनिक खेती से वे लोग निरोगी रहते थे. रासायनिक खेती से सभी बीमारी होने लगी जो आम शहरी लोगों को हो रही है. हमें आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए रिसर्च करना चाहिए. यदि हम प्राकृतिक खेती करेंगे तो हमारा मेडिकल का खर्चा काफी कम हो जाएगा. उन्होंने युवाओं से कहा कि देश को जितनी इंजीनियर और डॉक्टर की जरूरत है उतनी ही कृषि वैज्ञानिकों की भी जरूरत है.

एक नजर में
त्रिपदी परिवार का पूर्णिमा महोत्सव संपन्न

इंदौर. श्री नाना महाराज तराणेकर संस्थान में त्रि-दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ. शिष्यों का ऐसा मानना है कि श्री नाना महाराज तराणेकर साक्षात दत्तावतार ही थे. उनकी अनुभूति अखंड है और हमेशा उनके शिष्यों को उनकी सूक्ष्मरूप में मौजूदगी का एहसास कराती है. प्रथम दिवस गुरु मंत्र दीक्षा, वैदिक शांतिपाठ एवं शास्त्रीय संगीत सभा के साथ हुआ. द्वितीय दिवस पर ऋग्वेद एवं यजुर्वेद शाखाओं के विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वेदोक्त सूक्तों का सामूहिक वेदपाठ किया गया. इसके पश्चात महापूजा, अभिषेक, प्रात: प्रभाती उपासना, श्री गुरुगीता पाठ एवं महाप्रसाद का आयोजन हुआ. सायंकाल में भव्य महाआरती एवं त्रिपदी प्रार्थना के बाद रात्रि में भजन-कीर्तन का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ. देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने हेतु उपस्थित हुए. इस अवसर पर संस्थान के प्रमुख डॉ. बाबासाहेब तराणेकर ने गुरुगीता ग्रंथ पर सारगर्भित प्रबोधन प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया.

अस्वीकृत बीमा दावों की उलझन सुलझाएगा निदान

इंदौर. बीमा पॉलिसीधारकों के लंबित, अस्वीकृत और आंशिक रूप से स्वीकृत बीमा दावों के समाधान के उद्देश्य से कार्यरत निदान क्लेम्स रिजॉल्यूशन एलएलपी के नए कार्यालय का शहर में शुभारंभ हुआ. आरएनटी मार्ग स्थित मिलिंदा मेनार में शुरू हुए कार्यालय के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ मनीष पोरवाल डॉ निखिलेश जैन, एडवोकेट पवन कुमार, एडवोकेट विनोद वर्मा और मोहम्मद खान थे. कार्यालय शुभारंभ के अवसर पर गणमान्य नागरिक उपस्थित थे. संस्था के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉबिन महेकाली ने बताया कि बीमा कराने के बाद कई बार पॉलिसीधारकों को क्लेम के समय परेशानियों का सामना करना पड़ता है. वैध क्लेम रिजेक्ट हो जाना, लंबे समय तक क्लेम लंबित रहना या अपेक्षा से कम राशि का सेटलमेंट होना जैसी समस्याओं के कारण उपभोक्ताओं को आर्थिक और मानसिक परेशानी उठानी पड़ती है. ऐसे मामलों में सही मार्गदर्शन और विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निदान क्लेम्स रिजॉल्यूशन कार्य कर रहा है. संस्था स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, मोटर बीमा एवं अन्य सामान्य बीमा से जुड़े विवादित दावों में सेवाएं प्रदान करती है.

एमएसएमई विकास कार्यालय में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन

इंदौर. स्वच्छता एक बार करके इतिश्री करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक निरंतर अपनाने की प्रक्रिया है, जिसको सभी को अपनी आदत में डालना चाहिए।. स्वछता के लिए किये जाने वाला श्रम और संसाधन तब आधा रह जाता है जब हम इसके मुख्य सिद्धांत गंदगी नहीं करने को आदत में डाल लेते है. ये विचार एमएसमई विकास कार्यालय इंदौर में आयोजित स्वछता पखवाड़े के समापन समारोह में कार्यालय के संयुक्त निदेशक श्री नीरज अरोड़ा ने व्यक्त किये. जुलाई के दूसरे पखवाड़े मे आयोजित स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से मिलकर कार्यालय के बाहरी परिसर एवं कार्यालय के अंदर मौजूद फर्नीचर, इलेक्ट्रानिक उपकरणों की सघन साफ - सफाई की. स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत कार्यालय पपरिसर में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण किया गया. स्वच्छता पखवाड़े के समापन समारोह में अधिकारी एवं कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ भी ली. स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों का समन्वय कार्यालय के सहायक निदेशक वेंकटाचलम टी. ने किया.

प्रधानमंत्री के नशामुक्ति संदेश से प्रेरित हुए विद्यार्थी

श्री सत्य साई विद्या विहार में हुआ लाइव प्रसारण

नवभारत न्यूज़

इंदौर. श्री सत्य साई विद्या विहार में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' विषयक राष्ट्रीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक देखा. कार्यक्रम की शुरुआत नशामुक्ति की सामूहिक प्रतिज्ञा से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने नशे के दुष्परिणामों पर आधारित प्रेरक नुक्कड़ नाटक का अवलोकन किया.

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं से नशे से दूर रहकर अनुशासन, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच के साथ विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया. कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रधानमंत्री का संबोधन ध्यानपूर्वक सुना, संवाद में भाग लिया और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया. विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अंजू चोपड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री का संदेश विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, चरित्र निर्माण और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करेगा. उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ संस्कार, सेवा और आदर्श नागरिक निर्माण को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है.

एमबीबीएस के साथ आयुष पाठ्यक्रमों में भी हैं बेहतर कॅरियर अवसर : डॉ. द्विवेदी

इंदौर. नीट-यूजी 2027 की ऑल इंडिया कोटा काउंसलिंग 4 अगस्त से प्रारंभ हो रही है तथा नया शैक्षणिक सत्र 8 सितंबर से शुरू होगा. ऐसे में विद्यार्थियों के लिए यह समय अपने करियर का सही चुनाव करने का है.

केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय के सदस्य, डॉ. ए.के. द्विवेदी ने कहा कि नीट केवल एमबीबीएस में प्रवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि बीएचएमएस (होम्योपैथी), बीएएमएस (आयुर्वेद), बीएनवाईएस (योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा), बीयूएमएस तथा अन्य आयुष पाठ्यक्रमों में प्रवेश का भी प्रमुख आधार है. जिन विद्यार्थियों को एमबीबीएस में प्रवेश नहीं मिल पाता, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है. आयुष चिकित्सा शिक्षा आज तेजी से विकसित हो रही है और इसमें उत्कृष्ट चिकित्सकीय करियर, उच्च शिक्षा, शोध, अध्यापन तथा सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक अवसर उपलब्ध हैं. उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 के बाद आयुष क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है. आयुष चिकित्सा पद्धतियां देश की स्वास्थ्य व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं.

नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन

इंदौर. जैन श्वेताम्बर सोशल ग्रुप सीनियर सिटीजन, चोईथराम नेत्रालय जिला सेवा भारती के संयुक्त तत्वाधान में झा एकेडमी स्कूल ऋषि नगर में नेत्र शिविर का आयोजन किया गया. ग्रुप के अध्यक्ष सुरेश देशलहरा और शिविर संयोजक अनोखीलाल जैन ने बताया कि इस शिविर में 320 मरीजों ने लाभ लिया 28 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन किया गया जिनके ऑपरेशन नि:शुल्क होंगे. जरूरतमंद को 120 चश्मे रियायती दरों पर दिए गए इस शिविर के मुख्य लाभार्थी बाफना परिवार इन्दौर है. ग्रुप के समाज सेवी, भवरलाल कासवा सुभाष गोखरु, डॉ. जितेन्द्र पारख, किरण संचेती, अरविन्द चौधरी, महेश डकोलिया ,पारस कटारिया, चन्द्र कुमार फ़तेपुरिया, डॉ आरएन मिश्रा, रमेश शर्मा, रोशन सिंह चौहान, नितेश झा आदि का भरपूर सहयोग रहा. सीनियर सिटीजन ग्रुप इस प्रकार के शिविर लगाते रहते हैं.

एमपीपीएससी सहायक प्राध्यापक परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

प्रथम पाली में 64% अभ्यर्थी रहे उपस्थित

नवभारत न्यूज़

इन्दौर. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा-2025 का आयोजन रविवार को प्रदेश के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से किया गया. पहले दिन छह विषयों की परीक्षा 34 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गई. इनमें भोपाल में 18 और इंदौर में 16 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे.

परीक्षा के लिए करीब 21 हजार अभ्यर्थी पंजीकृत थे. प्रथम पाली में लगभग 64 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया. इसी दिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक सहायक शल्य पशु चिकित्सक पद की परीक्षा भी आयोजित की गई. इस परीक्षा में 84 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे. इसके लिए इंदौर में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए थे. एमपीपीएससी के अनुसार सहायक प्राध्यापक भर्ती के तहत विभिन्न विषयों में कुल लगभग 1,700 से ज्यादा पदों पर भर्ती की जानी है. परीक्षा का आयोजन तीन से चार चरणों में किया जा रहा है. पूर्व निर्धारित 30 अगस्त की परीक्षा को अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अब 4 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा.

त्रिस्तरीय सुरक्षा के व्यवस्था के बीच हुई

आयोग ने बताया कि पहले दिन की सभी परीक्षाएं त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई. परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया. पूरे आयोजन के दौरान किसी प्रकार की शिकायत, नकल प्रकरण अथवा अप्रिय घटना की सूचना प्राप्त नहीं हुई. परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई.

एक नजर में
इंदौर मंडी में 50-60 रुपये किलो खुदरा में 90 रुपये तक बिक रहा

बड़ी मात्रा में हो रही पायनापल की केरल और तमिलनाडु से आवक

नवभारत न्यूज़

इंदौर. स्वाद और सेहत का बेहतरीन मेल माने जाने वाले पायनापल की इंदौर की चोइथराम मंडी में इन दिनों अच्छी आवक बनी हुई है. दक्षिण भारत के राज्यों केरल और तमिलनाडु से बड़ी मात्रा में आने वाले पायनापल के कारण मंडी में इसकी कीमतें सामान्य बनी हुई हैं.

वर्तमान में थोक बाजार में पायनापल 50 से 60 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रहा है, जबकि खुदरा बाजार में इसकी कीमत 80 से 90 रुपये प्रति किलो तक पहुंच रही है. चोइथराम मंडी के थोक फल व्यापारी कुणाल नागपाल ने बताया कि पायनापल ऐसा फल है

जिसे लगभग हर मौसम में खाया जा सकता है. इसकी मांग पूरे वर्ष बनी रहती है, क्योंकि यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषक तत्वों से भरपूर होता है. उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत से नियमित आपूर्ति होने के कारण इंदौर में उपभोक्ताओं को ताजा और अच्छी गुणवत्ता का पायनापल आसानी से उपलब्ध हो जाता है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में मंडी में पायनापल का थोक भाव 50 से 60 रुपये प्रति किलो है, जबकि परिवहन, भंडारण और खुदरा विक्रेताओं के खर्च के कारण बाजार में यही फल 80 से 90 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है.

मांग बनी हुई है...मंडी व्यापारियों का कहना है कि मौसम के अनुसार फलों की मांग में बदलाव आता रहता है, लेकिन पायनापल अपनी पौष्टिकता और स्वाद के कारण हर मौसम में पसंद किया जाता है. अच्छी आवक के चलते फिलहाल इसकी कीमतें भी उपभोक्ताओं की पहुंच में हैं, जिससे खरीदारी में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है.

स्वास्थ्य के लिए क्यों है फायदेमंद

डॉ अमित लोधी के अनुसार पायनापल में विटामिन-सी, फाइबर, मैंगनीज और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं. यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन तंत्र को बेहतर बनाने, त्वचा को स्वस्थ रखने और शरीर को ताजगी प्रदान करने में मददगार माना जाता है. इसके नियमित और संतुलित सेवन से स्वास्थ्य को कई लाभ मिल सकते हैं.

पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

इंदौर. महापौर पुष्यमित्र भार्गव के आह्वान पर आयोजित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत श्री वैष्णव कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया. महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परितोष अवस्थी ने कहा कि यह अभियान प्रकृति एवं मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ युवाओं में पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है. कार्यक्रम का संयोजन डॉ. जी. एस. भाटिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. प्रो. सत्यम पांचाल ने प्रति आभार माना.